SHRI P. RAJEEVE (Kerala): Sir, I associate myself with the concern expressed by Shri Ali Anwar Ansari.

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the concern expressed by Shri Ali Anwar Ansari.

SHRI MD. NADIMUL HAQUE (West Bengal): Sir, I also associate myself with the concern expressed by Shri Ali Anwar Ansari.

श्री के.सी. त्यागी (बिहार) **:** सर, मैं स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

डा. अनिल कुमार साहनी (बिहार) **:** सर, मैं स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

DR. T. N. SEEMA (Kerala): Sir, I also associate myself with the concern expressed by Shri Ali Anwar Ansari.

SOME HON. MEMBERS: Sir, we also associate ourselves with the concern expressed by Shri Ali Anwar Ansari.

Problems of Displaced People Rehabilitated in Jharia Vihar Colony, Dhanbad, by BCCL/CIL

श्री संजीव कुमार (झारखंड) **:** महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान धनबाद जिले में स्थित बेलगड़िया एवं झरिया विहार कॉलोनी के लोगों को दिन-प्रतिदिन हो रही समस्याओं की तरफ आकर्षित करना चाहता हूँ। ये सब वे कॉलोनियाँ हैं, जहाँ धनबाद जिले के बलियापुर थाने में कोयला निकालने के क्रम में लोगों को विस्थापित करके बसाया गया था। नियम के अनुसार बीसीसीएल को इन हजारों परिवारों की शिक्षा, बिजली, पानी व स्वास्थ्य आदि की समुचित व्यवस्था करनी चाहिए थी, परन्तुक ऐसा कुछ नहीं हुआ। विस्थापित इन कॉलोनियों में बदहाल जिंदगी जीने को मजबूर हैं। वहाँ स्कूल एवं प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है। वहाँ कब्रिस्तान एवं श्मशान नहीं हैं। इस क्रम में मैं 5 मार्च की एक हृदयविदारक घटना का उल्लेख करना चाहता हूँ। 5 मार्च को एक मजदूर, गोपाल भूइयाँ के 9 साल के बच्चे ने उल्टी-दस्त की शिकायत की। आसपास कोई चिकित्सा केन्द्र न होने के कारण उसकी माँ वहाँ से 15 किलोमीटर दूर धनबाद में पाटलिपुत्र मेडिकल कॉलेज पहुँची, पर वहाँ पर जूनियर डॉक्टरों ने किसी मामूली घटना के कारण अस्पताल पर ताला लगा दिया था। माँ अपने बेटे को लेकर दर-दर भटकती रही, परन्तु किसी ने एक नहीं सुनी और बच्चे ने मेडिकल कॉलेज के गेट पर ही दम तोड़ दिया। यदि बेलगड़िया कॉलोनी में बीसीसीएल में गुड्डू की प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था की जाती, तो उसकी मौत को टाला जा सकता था।

महोदय, मैं आपके संज्ञान में लाना चाहता हूं, कल उस कॉलोनी में फिर से एक बच्चे की मौत हुई है, लेकिन बीसीसीएल के अधिकतर अधिकारी कोयले की काली कमाई में व्यस्त हैं। इन अधिकारियों की इन्कम टैक्स अधिकारियों, पुलिस एवं भ्रष्ट सीबीआई अधिकारियों के साथ साठ-गाठं ने बीसीसीएल को भ्रष्टाचार का एक अड्डा बना दिया है। हाल ही में प्रधान मंत्री महोदय ने हजारी बाग में अपने बयान में कहा था कि कोयले की चोरी को बन्द करने की कोशिश की जाएगी, लेकिन कोयले की चोरी बन्द होने की बजाय बढ़ती ही जा रही है।

महोदय, गुड्डू की मौत के कारण कोयलांचल में गुस्से एवं तनाव का माहौल है, हालाकि विधान सभा ने इसकी जांच के आदेश दे दिए हैं।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि जितनी भी विस्थापित कॉलोनिया हैं, उनमें बीसीसीएल कर्मचारियों के लिए स्वच्छ पानी, बिजली, कब्रिस्तान एवं श्मशान की व्यवस्था जल्द से जल्द करनी चाहिए, अन्यथा बीसीसीएल के खिलाफ भयानक जन आन्दोलन होगा और सरकार को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। धन्यवाद।

Demand for economic revival of Hindustan Shipyard Limited

DR. T. SUBBARAMI REDDY (Andhra Pradesh): Sir, I wish to bring to the notice of the House and the hon. Minister about the revival of Hindustan Shipyard and the need to take adequate steps urgently for its economic viability and to prevent it from making sick.

Sir, HSY has been engaged in the shipbuilding activities and was under the Ministry of Shipping. It is the first ISO-9001-Shipbuilding Company in the country; it is an important company. It has been transferred to the Ministry of Defence in 2010. When it was under the Ministry of Shipping, it was in financial crisis and was not in a position even to pay salaries. At that stage, the Ministry of Defence came forward and said that this shipyard has the capacity to construct sophisticated warships, submarines and strategic vessels for the Indian Navy and the Coast Guard. Pending transfer, the HSY was directed not to take any orders of commercial ships, presumably to get the Yard ready for building strategic vessels. However, no orders were placed till now.

Now, I would like to submit that the HSY has successfully built inshore patrol vessels for Indian Coast Guard. It also built MV Good Day bulk carrier and 50 tonne Billard Pull Tugs for the Indian Navy. It repaired 20 vessels of different types of Indian Navy, ONGC, Visakhapatnam Port Trust, etc. But, still, they do not have sufficient orders and, I am afraid, it is likely to become sick.

The Hindustan Shipyard is equipped with huge docks, large slip-ways and adequate carriage. But, still, the Yard does not get adequate orders from the Ministry of Defence. It appears that the Ministry of Defence is not focussing to revive the HSY economically.

Recently, it has sent a fresh financial restructuring proposal to provide working capital which is under consideration of the Ministry of Defence. I would, therefore, urge upon the Government of India to focus on this Yard, revive it by giving more orders and provide working capital so that thousands of workers will not become unemployed and the unit will not become sick. Sir, this first prestigious Hindustan Shipyard should be protected by the Ministry of Defence. Thank you.